डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

साहित्य अकादेमी वेबलाइन शृंखला में कवि संधि कार्यक्रम आयोजित

प्रख्यात उर्दू शायर और अनुवादक प्रियदर्शी ठाकुर 'ख़याल' ने प्रस्तुत की अपनी रचनाएँ

नई दिल्ली। 8 अक्तूबर 2020; साहित्य अकादेमी वेबलाइन शृंखला के कार्यक्रम कवि संधि में आज पूर्वाह्न 10.00 बजे प्रख्यात कवि और उर्दू शायर एवं अनुवादक प्रियदर्शी ठाकुर 'ख़याल' ने अपनी नज़्में प्रस्तुत कीं। भारतीय प्रशासनिक सेवा में रहते हुए भी 'ख़याल' साहित्य साधना में निरंतर लगे रहे और उनकी नज़्मों और ग़ज़लों के सात संकलन प्रकाशित हैं। आपने विपुल अनुवाद कार्य के साथ–साथ *रानी रूपमती की आत्मकथा* शीर्षक से उपन्यास भी लिखा है। कार्यक्रम के दौरान 'ख़याल' जी ने अपनी शायरी पर कहा कि "मेरी शायरी का एक बड़ा हिस्सा शायरी नहीं, डायरी है उन बीते और इन बीत रहे सालों की। शायद यही वो खिड़कियाँ हों जिनसे अपने 'मैं' की झलक आपको दिखा सकूँ।" कार्यक्रम के आरंभ में अपने अन्यय कवि मित्र गंगा प्रसाद विमल के व्यक्तित्व को याद करते हुए उन्होंने *गंगा का प्रसाद* शीर्षक से नज़्म प्रस्तुत की। विभाजन एवं सांप्रदायिक सौहार्द पर एक लंबी नज़्म के बाद उन्होंने *कसम, बिसलेरी* और *आँसू* शीर्षक से छोटी नज़्में भी प्रस्तुत कीं। अपनी नज़्मों के बाद उन्होंने कुछ ग़ज़लें प्रस्तुत कीं, जिनके कुछ शेर थे – *जो शै मिली ही नहीं, गुम वो मुझसे क्या होगी / ये तय समझ के तुझे अब मैं खो नहीं सकता।*

थोड़ी दूर और मेरा बोझ उठा / फिर तो ले जाएगी हवा मुझको!

हिंदी–उर्दू के आपसी रिश्तों पर प्रियदर्शी ठाकुर का कहना था –

हमको तो कविता भी प्यारी / शेर भी हमको प्यारा है
हिंदी नयनों की ज्योति तो / उर्दू आँख का तारा है।।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने रचनाओं की पृष्ठभूमि और अपनी रचनायात्रा पर भी प्रकाश डाला।

ज्ञात हो कि 'ख़याल' साहब की ग़ज़लें स्व. जगजीत सिंह, उस्ताद अहमद हुसैन–मोहम्मद हुसैन, सुमन यादव आदि ने [redacted] गाई हैं।

कार्यक्रम का संचालन अकादेमी के संपादक अनुपम तिवारी ने किया।

के. श्रीनिवासराव

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in